परमाणु परियोजनाओं का विलम्ब से निर्माण

8137. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या प्रधान मंत्री 22 दिसम्बर, 1994 और 4 अगस्त, 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न क्रमः 2487 और 1337 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं की उनके निर्माण में विलम्ब के कारण, वर्तमान निर्माण लागत में वृद्धि हो जाने उनकी लाभप्रदता या अन्यथा की संभावनाओं का आकलन किया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी विस्तृत जानकारी क्या है और प्रत्येक परियोजना द्वारा प्रति मेगावाट विद्युत उत्पादन के लिए कितनी धनराशि व्यय किये जाने का अनुमान है और यह धनराशि पूर्व-निर्धारित निर्माण लागत से कितनी अधिक है ?

प्रधान मंत्री के कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी) : (क) और (ख) तारापुर, राजस्थान, मद्रास, नरोरा और ककरापार में कार्यरत परमाणु बिजलीघरों में उत्पादित बिजली की शुल्कदर जोकि 63 पैसे से 207 पैसे प्रति किलोवाट घंटा के बीच है, सामान्यतः उन्हीं क्षेत्रों में स्थित उन ताप-विद्युत संयंत्रों में उत्पादित बिजली के शुल्क के समतुल्य है जो कोयले से चलते हैं। यह शुल्क लागतोपरि लागत आधार पर आधारित है, जिससे नियामक क्षमता गुणकों पर ईक्विटी पर एक निश्चित लाभ होगा और इस प्रकार, बिजलीघरों को नियामक क्षमता गुणक पर लाभप्रदता हासिल होगी। कैगा-1 तथा 2 और राजस्थान 3 तथा 4 को वर्ष 1996-97 में पूरा करने पर प्रति मेगावाट क्रमशः 5.17 करोड़ रुपए और 4.79 करोड़ रुपए लागत आने का अनुमान है। इन परियोजनाओं के लागत अनुमानों में यह वृद्धि निर्माण के दौरान लगने वाले ब्याज को जोड़ दिए जाने के अलावा सामान्यतः कार्य क्षेत्र के बढ़ जाने, मूल्य वृद्धि, विदेशी मुद्रा की विनिमय दरों में परिवर्तन होने तथा करों और शुल्कों में परिवर्तन होने की वजह से हुई है।

Construction of Pressurised Heavy Water Reactors

8138. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that full indigenous technical capability has been achieved in design and construction of Pressurised Heavy Water Reactors;

(b) how much nuclear power will be generated in the near future;

(c) what is the ultimate target for the next ten years; and

(d) what steps are being taken to encourage nuclear power generation?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The present installed Nuclear Power Generation capacity is 1940 MWe. It is expected to increase to 2820 MWe by 1997-98. The total Nuclear installed capacity by 2005-06 is expected to be 3320 MWe through the indigenous Pressurised Heavy Water Reactor Programme with a possible addition of 2000 MWe from Russian VVERs.

(d) Steps taken to encourage nuclear power generation include:—

—Establishment of the Nuclear Power Corporation of India Ltd. (NPCIL) in 1987 to mobilise resources from the market;

—Equity support by the Government to NPCIL;